रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

'सतत् विकास एवं पर्यावरण संरक्षण पर कोविड–19 का प्रभाव' विषय पर

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन

जबलपुर 8 जुलाई। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (महाकौशल प्रांत) जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत् विकास एवं पर्यावरण संरक्षण पर कोविड–19 का प्रभाव' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन मान. श्री अतुल कोठारी, सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के मुख्य आतिथ्य, मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, मान. प्रो. एन. सी. गौतम, कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय वि.वि. एवं मान. प्रो. एस.पी. तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान वि.वि., जबलपुर के विशिष्ट आतिथ्य, श्री अजय तिवारी, कुलाधिपति, स्वामी विवेकानन्द वि.वि. सागर एवं डॉ. दीपेश मिश्रा, कुलसचिव, रादुविवि के सारस्वत आतिथ्य तथा प्रो. सुरेन्द्र सिंह के संयोजकत्व में आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि मान. श्री अतुल कोठारी ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के संदर्भ में पर्यावरण के स्थाई विकास के कारणो एवं प्रयोगों को सोचने एवं क्रियान्वित करने के अनेक सुझावों को बताया एवं विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं स्कूल लेवल पर क्रियान्वित करने के सुझाव दिये।

अध्यक्षता करते हुए मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज सामाजिक पुनर्संरचना का स्वर्णिम समय है एवं चुनौतियो को अवसर में परिवर्तन कर पर्यावरण के व्यावहारिक संरक्षण पर बल दिया जाये। ऐसे प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा हर स्तर पर किये जायेंगे।

विशिष्ट अतिथि मान. प्रो. एन.सी. गौतम ने पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के संदर्भ में 'कम्यूनिटी एप्रोच' के महत्व को बताया,एवं वेस्ट मेनेजमेंट रिसाइकिल को अपनाने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि मान. प्रो. एस.पी. तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को सहजता से जनमानस तक पहुँचाने पर जोर दिया।

सारस्वत अतिथि श्री अजय तिवारी ने कहा कि पर्यावरण से सम्बद्ध ज्ञान को व्यावहारिक बनाने की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि डॉ. दीपेश मिश्रा ने कहा कि कहा कि आज का विषय हमारे अपने अस्तित्व से जुडा है, आज पर्यावरण के व्यावहारिक संरक्षण की आवश्यकता है।

सर्वप्रथम वि.वि. व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान के प्रभारी आचार्य प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने ने स्वागत उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के रुपरेखा को सविस्तार बताया एवं विश्वविद्यालय के द्वारा किये जा रहे नवाचारों से सभी को परिचय कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रो, राजेन्द्र कुररिया एवं आभार प्रदर्शन संयोजक प्रो.राम कुमार रजक ने किया।

उद्घाटन सत्र में आज के कार्यक्रम में विभाग के डॉ अजय मिश्रा, डॉ मीनल दुबे, इं. महावीर त्रिपाठी, अमरकांत चौधरी एवं डॉ नीलेश पाण्डेय, श्री मनोज पाण्डेय, डॉ रज्जन द्विवेदी, श्री घनश्याम बर्मन, श्रीमति तनु कुररिया सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण विभाग में अध्ययनरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, शोधार्थी छात्र–छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

तकनीकी सत्र–

प्रो. ओ.पी. अग्रवाल, पूर्व कुलपति जीवाजी वि.वि. ग्वालियर ने वर्मी कम्पोस्ट को विस्तार से समझाया। प्रो. आर.सी. दुबे, गुरूकुल कांगड़ी वि.वि., हरिद्वार ने कोरोना वायरस से बचाव हेतु यौगिक, वैदिक एवं पौराणिक महत्व को समझाया। डॉ. मनोज त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआई, भोपाल ने इम्यून सिस्टम एवं फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं को सविस्तार प्रस्तुत किया।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 901 / 08.07.2020